Date
8/05/2020

D.El.Ed.
4th Sem

Subject - Social Studies
Topic - (NGO) or
(Non-Government Organisation)

NGO किसी ऐसी संस्था को कहते है जो गैर लाभकारी हो और सरकार से स्वतन्त्र हो। गैर सरकारी संगठन या अलाभकारी संगठन व्यक्तियो, कार्यकर्ताओ, स्वयं सेवकों और सामाजिक कल्याण मे जुटे लोगों का एक समूह अथवा संगठन होता है। गैर सरकारी संगठन को विश्व बैंक ने दो वर्गों मे वर्गीकृत कर दिया है।

विश्व बैंक के अनुसार, " NGO एक निजि संगठन होता है जो लोगो का दुख - दर्द दूर करने, निर्धनो के हित का संवर्द्धन करने, पर्यावरण की रक्षा करने, बुनियादी सामाजिक सेवाएं प्रदान करने अथवा सामुदायिक विकास के लिए योजनाएँ चलाता है।

गैर सरकारी संगठनो का वर्गीकरण :- विश्व बैंक द्वारा

1) क्रियात्मक स्वैच्छिक संगठन

2) अन्तर्राष्ट्रीय संगठनो की नीतियाँ एवं कार्यपद्धतिया

NGO के उद्देश्य :- इन संगठनो का एकमात्र उद्देश्य सामाजिक सेवा भावना है, केवल लाभ कमाना इनका उद्देश्य नही होता। NGO राजनीतिक रूप से स्वतन्त्र होते है, लेकिन वास्तविकता मे ऐसा होना बहुत दुर्लभ होता है। इसके मुख्य कारणो मे सरकारी, अन्य संस्थानो कारोबारी अन्य स्रोतो से लिया जाने वाला चंदा है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

Causes of speedy formation of NGO :-

"एन्थ्रोपोलॉजी" के "प्रोफेसर" "रिचर्ड रॉबिंस" ने अपनी पुस्तक "ग्लोबल प्रॉब्लम्स एण्ड द कल्चर ऑफ कैपिटालिज्म", मे इन कारणो पर प्रकाश डाला। ये उत्प्रेरक निम्नलिखित है -

1.) शीत युद्ध की समाप्ति के बाद गैर सरकारी संगठन चलाना अपेक्षाकृत सरल हुआ।

2.) बढ़ती सचांर सुविधाएँ खासकर इन्टरनेट जिसने एक नए वैश्विक समुदाय के सृजन मे सहायता की।

3.) संसाधनो मे बढ़ोत्तरी, बढ़ती पेशेवर प्रवृत्ति और गैर सरकारी सगंठनो मे रोजगार के और अधिक अच्छे अवसर।

4.) NGO के चलते लोगो की सरकारो या उस समस्या से छुटकारा दिलाने वालो से अपेक्षाओं मे वृद्धि हुई।

5.) एक व्यापक नव उदार आर्थिक और राजनीतिक एजेण्डे का अस्तित्व मे आना। आर्थिक और राजनीतिक विचारधाराओं मे परिवर्तन होना जिसके चलते सरकार व अधिकारियों का समर्थन NGO को मिला।

"भारत मे NGO की स्थिति" :-

वर्तमान भारत मे लगभग 33 लाख पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन अस्तित्व मे है। ये जन कल्याण मे सक्रिय भूमिका निभाने के साथ-साथ विकास से जुड़ी गतिविधियों मे भी अपना यथेष्ट योगदान दे रहे है। महानगरो से लेकर सुदूर अंचलो, दुर्गम क्षेत्रो एवं गाँव कस्बो मे ये अपने काम को अजांम देकर राष्ट्र निर्माण मे सहायक बन रहे है। जन सेवा के साथ साथ ये संगठन लोगो के अधिकारो की भी तरफदारी करते है व सरकारी योजनाओ का लाभ जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास भी करते है। इनकी भूमिका निरन्तर बढ़ रही है।

Complete

8/05/2020

Scanned with CamScanner